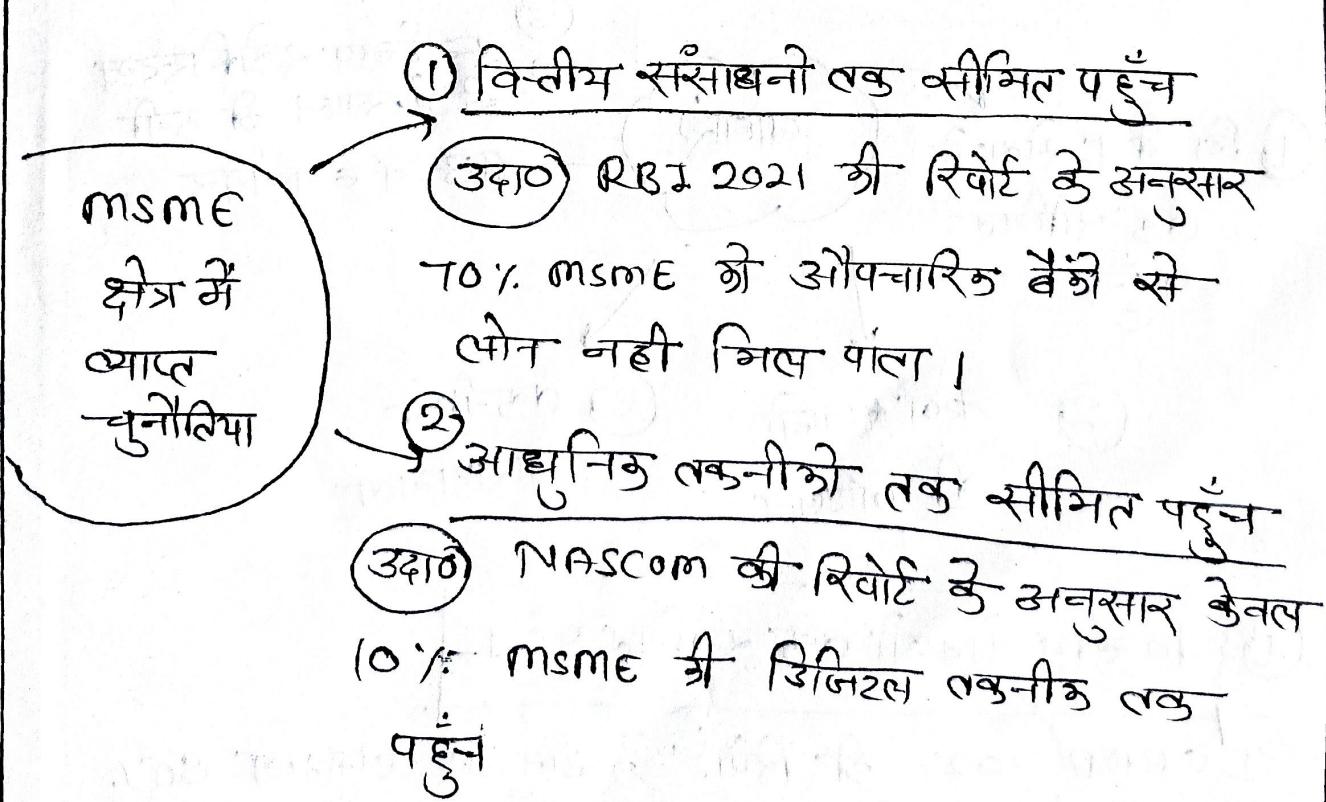


① MSME क्षेत्र के भारत की अर्थव्यवस्था की रीट जाना जाता है किंवदन्ति भी इसकी वृद्धि कई चुनौतियों के कारण सीमित है। भारत में MSME उत्तर सामग्री की जाने वाली प्रमुख वाणिजी पर चर्चा करे और इन समस्याओं के हल करने के लिए हासिया वजहीय प्रावधानों का आप्तिकरण करें। (38marks)

MSME (सूक्ष्म, सघु और अद्यम उद्योग) भारत में ऐसी के बाद दूसरा सबसे अधिक रोजगार सृजन करने वाला क्षेत्र है जो लगभग 30% रोजगार, विनिर्मित उत्पाद का 36%, रक्षा 45% विभाग में रोगदान देता है। भारत में कुल 6.3 करोड़ MSME हैं जिनमें 99% सूक्ष्म व अद्यम सघु क्षेत्र से हैं जिस बाबन इसे भारत की अर्थव्यवस्था की रीट जाना जाता है।



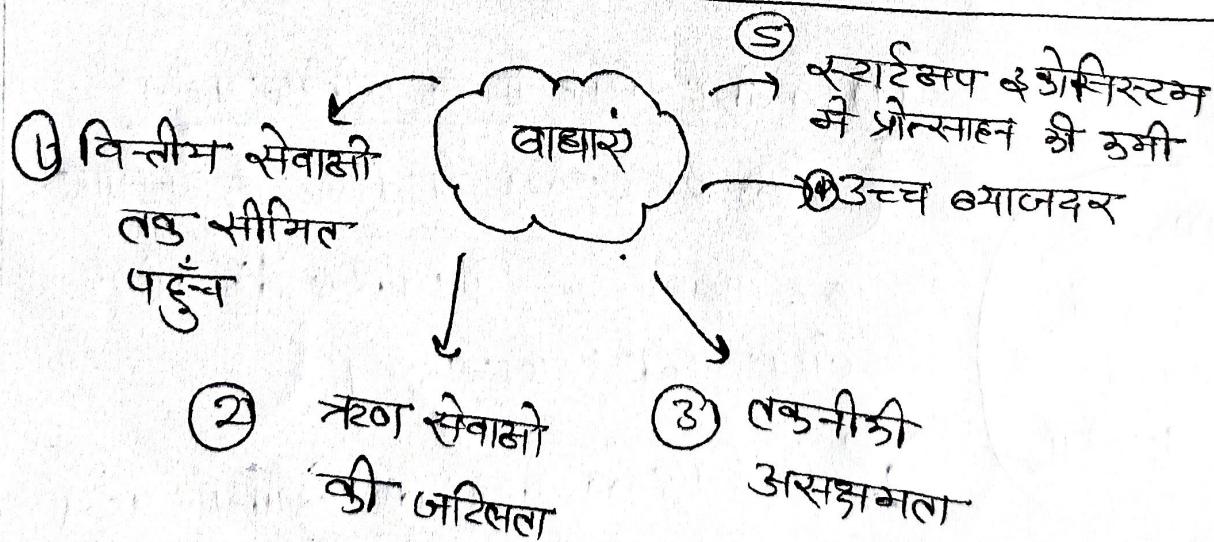
③ कच्चे उत्पादी के लिए वाष्य स्त्रीलो पर निर्भरता

उदाहरण FISME 2022 की रिपोर्ट के अनुसार 60% msme कच्चे उत्पादी के लिए वाष्य स्त्रीलो पर निर्भर

④ msme को कड़े उद्योग बनाने के लिए सरकारी प्रोत्साहन में जुबी

उदाहरण WB 2022 की रिपोर्ट के अनुसार 55% msme अपना दोभारा बढ़ाने से बेतराते हैं उन्हें लगता है सरकारी रिपायटे बन्द हो जाँसंगी और के वैश्विक भा बड़ी उम्मियों से प्रतिस्पर्धा में पिछड़ जाएंगे।

भारत में msme द्वारा सामना की जाने वाली वाष्यारं



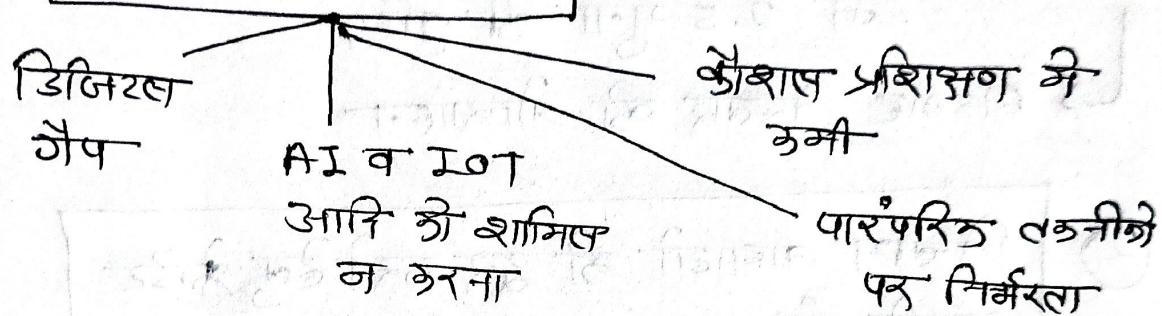
① वित्तीय सेवाओं तक सीमित पहुँच

ICRAR 2022 की रिपोर्ट के अनुसार लगभग 80% msme 'क्रेडिट गेप' का सामना भरते हैं।

② नटण सीवाइंग की जटिलता

→ RBI 2021 की रिपोर्ट के अनुसार लगभग 70% MSME असंगठित या जनीलीज़र से उच्च ब्याज दरों पर लोन लेते हैं।

③ नड़नीकी असम्भवता



④ उच्च ब्याज दर

→ WB 2022 की रिपोर्ट के अनुसार भारत के MSME की 30-35% लोगों ने लेने के लिए उच्च ब्याज दरों का व्युत्पन्न विवरण दिया है जिसमें वीन के किपतनाम और देशी में घट 3-7% है।

⑤ स्टार्ट-अप इनोवेशन के प्रोत्साहन की कमी

→ NASCOM 2023 की रिपोर्ट के अनुसार 90% स्टार्ट-अप की कमी के कारण शुरूआती इवेंगों में 'स्टार्ट-अप गोरयालिटी' वा स्थिति हो जाती है।

MSME की समस्याओं के हल उनके के सिद्धि
डालिए विचार विवरण

(1) MSME की नई परिमाण

- नई परिमाण में निवेश के टर्नओवर
में 2.5 अरुना की वृद्धि
- MSME विस्तर की प्रोत्साहन

(2) विचार वाणिजी की दूर उनके हेतु क्रेडिट
गारंटी कंड

- MSME की 500 लाख का क्रेडिट गारंटी
कंड प्रदान उनके का प्रावधान

→ औलेटरल की कंड विचार सेवाओं वक्तु आसान
पहुँच सुनिश्चित करेगा।

→ क्रेडिट गारंटी स्कीम के लक्ष्य 1.5 लाख करोड़ रुपयों के
क्रेडिट क्लियरिटी की सुविधा

(3) MSME क्रेडिट कर्ड लोधणा

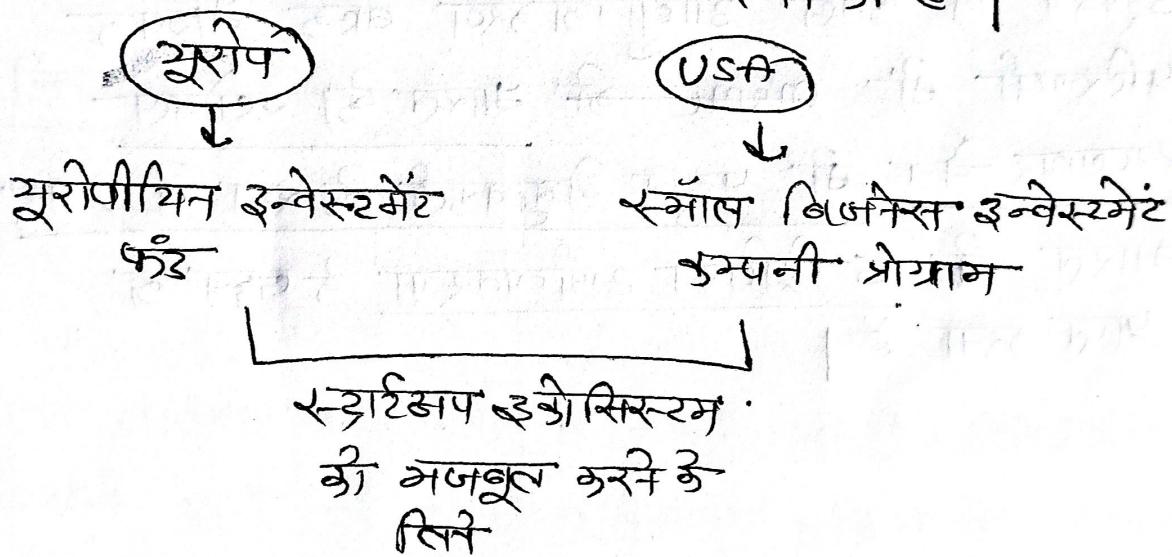
- उदाम पोर्टल पर अंजीकृत गाइडों द्वारा प्राप्त
की 5 लाख लक्तु क्रेडिट लिमिट दी जाएगी।

④

फंडस कॉर्प फंडस की लोकणा

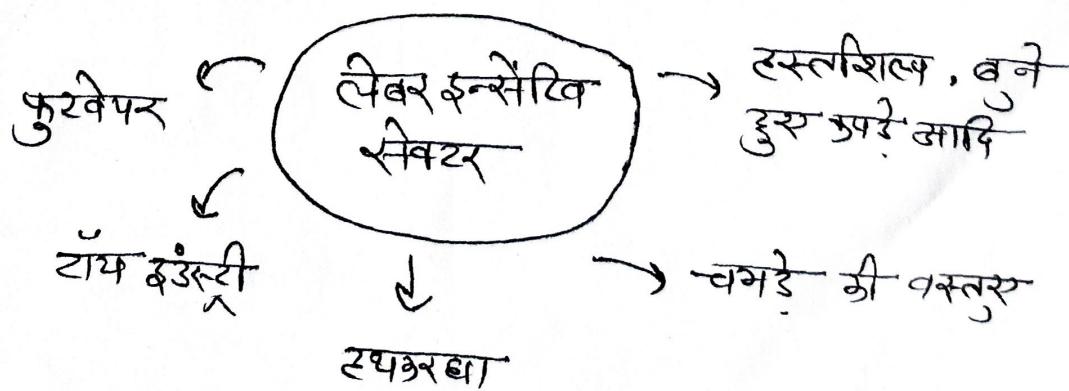
→ 10 हजार करोड़ वेंकर इन्फिल के प्राइवेट इविवटी के माध्यम से स्टार्टअप की फंड प्रदान करता

→ अन्तर्राष्ट्रीय स्लार पर स्टार्टअप इंडोसिस्टम के अधिकृत करने के लिए यूरोप के USA देशों ने भी इस प्रकार के फंड की व्यवस्था की है।



⑤

लेवर इन्सेटिव सेवटर के लाई के जरिए अधिकृत करना



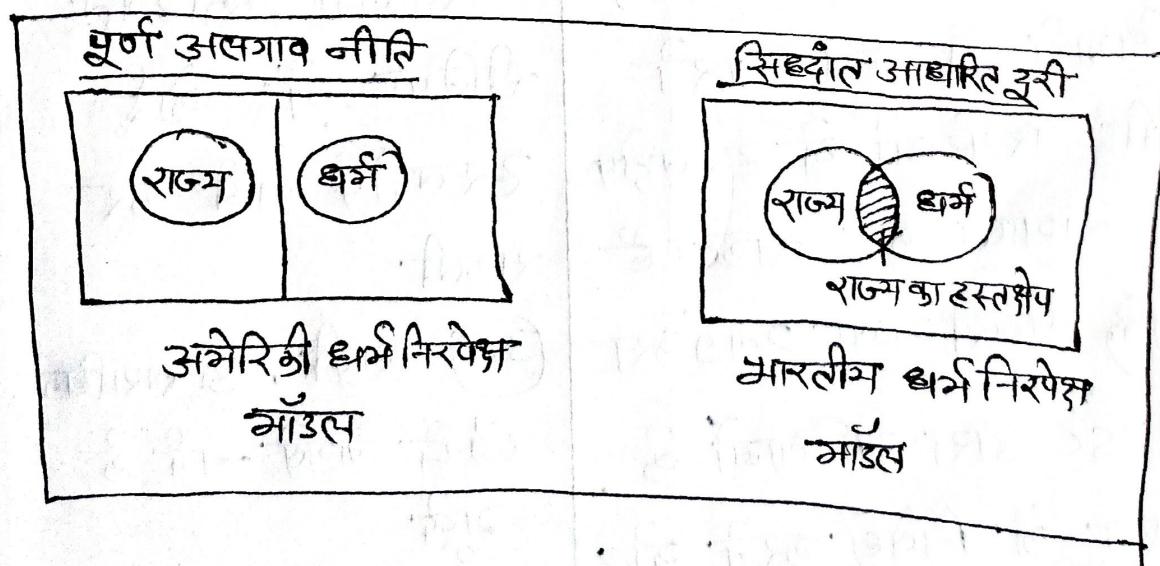
८) इस क्षेत्र के वित्तीय प्रोत्साहन, स्थानीय उत्पादों
के बढ़ावा (G+tag), निर्धारित-गुणी उपकरणों के
बढ़ावा देने हेतु मुफ्त प्राप्ति औ बढ़ावा देना आदि
के डारा सरकार MSME के प्रोत्साहित कर रही है।

उस प्रवाद MSME भारत की दूसरी इंजिन
(ग्रीष्म इंजिन) बनने के लिये अग्रसर है जिसका
उद्देश्य न केवल आधुनिकीकरण वर्ति वैश्विक
प्रतिस्पर्धा में MSME के भारत के ग्लोबल
सप्लायर चेन में प्रभुज नेतृत्वात्मी के रूप में उत्तमात्
भारत की 5 दिविषन ऑर्पनवरस्था के सम्बन्ध की
प्राप्ति करना है।

③ भारतीय राज्य 'सिंहदांत आषारित दूरी' के सिंहदांत का पासन करता है जो तुष्ट परिचयी लोकतन्त्री में देखी जाने वाली पूर्ण असंगाव नीति से भिन्न है। अत्यसंघर्षक अधिकारी, धार्मिक व्यवताराता और धार्मिक संस्थानों में राज्य के हस्तक्षेप जैसी लोक नीतियों के मट भाँड़ल इस प्रश्न प्रभावित करता है? विशेषण करें। (38 marks)

भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 42वीं संविधान संशोधन अधिनियम 1976 के द्वारा 'पंच निरपेक्ष' शब्द जोड़ गया जो भारत की एक पंचनिरपेक्ष राज्य घोषित करता है।

भारतीय संविधान द्वारा घोषित 'पंच निरपेक्ष' की अवधारणा परिचयी देशी USA, जहाँ राज्य एवं धर्म से एकदम असंग रखता है वही भारत 'सिंहदांत आषारित दूरी' के आधार में भास्तु आमसी में हस्तक्षेप कर सकता है।



‘भारतीय ‘सिंहदार आषाढ़ि
दुरी’

(५) भारतीय धर्मनिरपेक्षा की सिंहदार के आषाढ़ि पर राज्य नागरिकों और जैर नागरिकों के धार्मिक अवलम्बन के हस्तक्षेप नहीं करेगा।

(उदाहरण) अनुच्छेद 25-28 विसी मी धर्म के अपनाने, प्रचार करने की अवलम्बन प्रदान करता है।

(६) भारतीय धर्मनिरपेक्षा की अवधारणा के अनुसार राज्य व्यक्ति के भौतिक अधिकारों का हनन करने वाली परपराओं के हस्तक्षेप के समान कर सकता है।

(उदाहरण) सबरीनाला 2019 के से में SC डारा अधिकारों के प्रवेश के निषेध करने के

पश्चिमी लोडलज्जा
‘पूर्ण अपग्रेड की
नीति’

(७) वही पश्चिमी देशों में राज्य नागरिकों के धर्म के पूर्ण अवस्थाएँ का पालन कर राज्य की धर्म से अलग रखते हैं।

(२) ‘पूर्ण अपग्रेड की नीति’ धार्मिक परपराओं, किंवित शीलियों में कोई हस्तक्षेप नहीं कर सकती।

(उदाहरण) शादी, उत्तराधिकार और से आगे वर्ति के मुद्रण

असंवेदनित लोकित करना

③ 'सिंहासन आधारित इसी' की अवधारणा 'धर्मनिरपेक्ष गतिशीलता' की बढ़ावा देना है जहाँ धर्म की आधार बनाकर किये जाने वाले धर्माव की राज्य हस्तांकीप कर लोडतज्जी भी अजगृती प्रभाव करता है।

③ वही 'पूर्ण असमाप्त नीति' राज्य की धार्मिक स्वतंत्रता तुरीयीपो की समाज कर्ते के अधिकार से वंचित कर 'कठिनता विचारधारा' की स्थिरता प्रदान करता है।

अस्पसंबन्धक अधिकारी, धार्मिक स्वतंत्रता और धार्मिक स्वतंत्रता संस्थानी में राज्य के हस्तांकी और लोडनीतियों में 'सिंहासन आधारित इसी' मांडल का प्रभाव —

① अस्पसंबन्धक अधिकारी पर 'सिंहासन आधारित इसी' का प्रभाव —

सपारात्मक

चक्ररात्मक

① भारतीय संविधान का अनुच्छेद 29-30 नामिति

① अस्पसंबन्धी की राजनीति हिंदू गा वोट बैंड के कसी डारा प्रोग्राम लिया जाए

के शैक्षिक व सांस्कृतिक
अधिकारों के संरक्षित
बनता है।

(2) अत्यसंघर्षी के
असुरक्षा के दूर कर
राष्ट्रीय मानवा के मजबूति
प्रदान करता है।

(2) राष्ट्रपदाभिकृत नाम
राजनीतिक धूमीकरण आदि
के गाड़यम से अत्यसंघर्षी
के वेगवस्तुता के बढ़ावा
देने देते हुए इसी प्रका
प्रयोग किए जाना।

'आर्थिक व्यवस्था' पर 'सिहंदात आधारित दूरी' का
प्रभाव

सकारात्मक

(1) भारतीय संविधान
अनुच्छेद 25 से 28
आर्थिक व्यवस्था के
अधिकार के सुनिश्चित
बनता है।

(2) ~~इसमें अकिल के~~
~~आर्थिक विधि~~
यह भारत में विविध
छंगों के बहय स्कूल
के स्थापित करने में
वहत्वपूर्ण दृष्टिकोण नियात
है।

नकारात्मक

(1) आर्थिकी की राजनीतिकी
बढ़ावा

(उदाहरण) अयोध्या मन्दिर,
तीन लाख बुद्धा आर्थिक
विभाजन के बढ़ावा देता है।

(2) राज्य में अत्यसंघर्षी
व वृक्षसंघर्षी के बहय
विकास भूमि।

③ भारतीय संविधान में उल्लेखित एकता अधिकार के बहुमत के शूल्य की अनुशृण्टि प्रदान करता है।

③ धार्मिक धोनमात्र भुजपी में इस्तम्हेप प्राप्ति अस्थ-संघकी के असरका की धाका की वयाता है।

धार्मिक संस्थानी में 'सहानुभाव आधारित दृष्टि' का प्रभाव

संभारान्वय

① भारतीय संविधान का अनुच्छेद 28 राज्य की धार्मिक संस्थानी में इस्तम्हेप की अनुमति देता है।

② यह धार्मिक संस्थानी की विशेष आवश्यकताओं और इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार में सहायता प्रदान करता है।

नकारान्वय

① धर्म विशेष हेतु विशेष शोशित सुनिधाएँ

② प्राप्ति बहुसंघकी की अमान्वित

③

इस प्रकार भारतीय पर्यावरण की
अवधारणा भारतीय सिद्धान्त के उल्लेखन
पैदल, आर्थिक, बन्धुत्व की ओर के शूलों के
मजबूती प्रदान कर 'वसुष्ठा युद्धवन' के
माध्यम से 'सर्वधर्म समावेश' की मजबूती
प्रदान करता है।